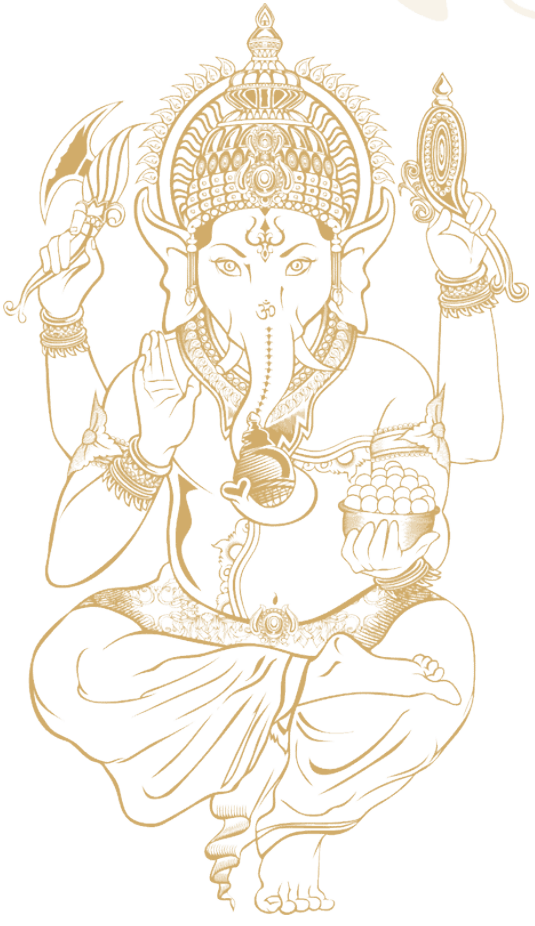

Vishal

01 Sep 2000

04:10 AM

Mandsaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121156405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/09/2000**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:10:00 घंटे**
इष्ट	54:58:31 घटी
स्थान	**Mandsaur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:03:00 उत्तर
रेखांश	75:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:40:40 घंटे
वेलान्तर	-00:00:16 घंटे
साम्पातिक काल	02:22:19 घंटे
सूर्योदय	06:10:35 घंटे
सूर्यास्त	18:48:06 घंटे
दिनमान	12:37:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:56:46 सिंह
लग्न के अंश	17:18:23 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	17:18:23	315:40:02	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			सिंह	14:56:46	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	18:28:35	13:50:37	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
मंगल			कर्क	25:57:28	00:38:11	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	24:07:32	01:47:27	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृष	16:03:01	00:05:23	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	07:06:48	01:13:38	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	नीच राशि
शनि			वृष	06:59:49	00:01:14	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	29:50:10	00:07:00	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	29:50:10	00:07:00	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	24:10:53	00:02:11	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	10:26:14	00:01:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:19:25	00:00:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	14:04:36	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:44

लग्न-चलित

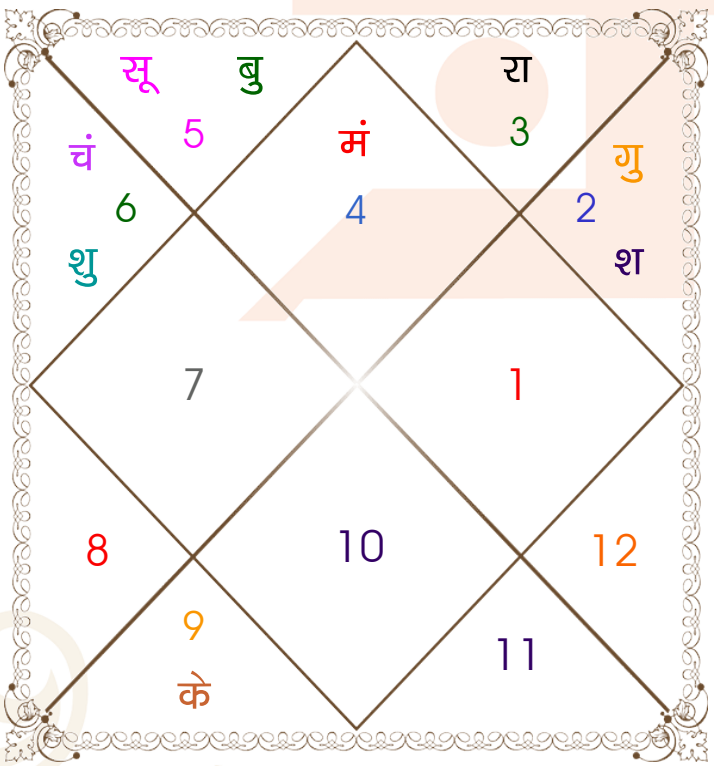

चन्द्र कुंडली

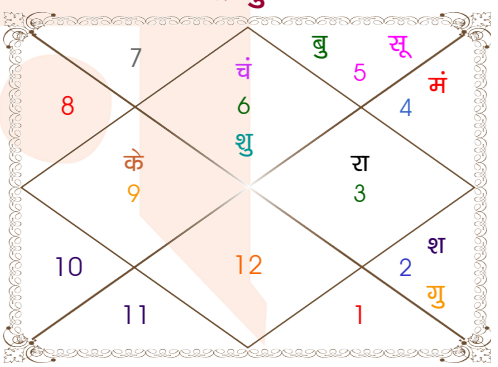

नवमांश कुंडली

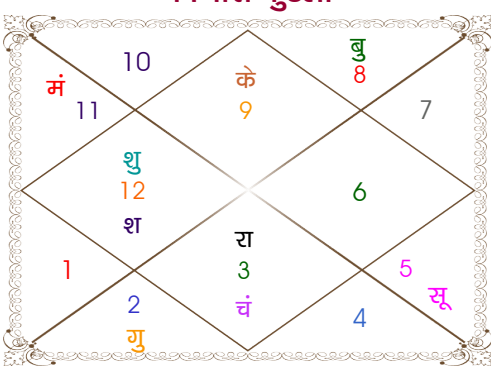

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 7 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/09/2000		23/04/2004		24/04/2011		23/04/2029		23/04/2045	
23/04/2004		24/04/2011		23/04/2029		23/04/2045		23/04/2064	
	00/00/0000	मंगल	19/09/2004	राहु	04/01/2014	गुरु	12/06/2031	शनि	26/04/2048
	00/00/0000	राहु	08/10/2005	गुरु	30/05/2016	शनि	23/12/2033	बुध	04/01/2051
	00/00/0000	गुरु	14/09/2006	शनि	06/04/2019	बुध	30/03/2036	केतु	13/02/2052
	00/00/0000	शनि	24/10/2007	बुध	23/10/2021	केतु	06/03/2037	शुक्र	15/04/2055
	01/09/2000	बुध	20/10/2008	केतु	11/11/2022	शुक्र	05/11/2039	सूर्य	27/03/2056
बुध	24/07/2001	केतु	18/03/2009	शुक्र	10/11/2025	सूर्य	23/08/2040	चंद्र	26/10/2057
केतु	22/02/2002	शुक्र	18/05/2010	सूर्य	05/10/2026	चंद्र	23/12/2041	मंगल	05/12/2058
शुक्र	24/10/2003	सूर्य	23/09/2010	चंद्र	05/04/2028	मंगल	29/11/2042	राहु	11/10/2061
सूर्य	23/04/2004	चंद्र	24/04/2011	मंगल	23/04/2029	राहु	23/04/2045	गुरु	23/04/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/04/2064		23/04/2081		23/04/2088		24/04/2108		25/04/2114	
23/04/2081		23/04/2088		24/04/2108		25/04/2114		00/00/0000	
बुध	20/09/2066	केतु	20/09/2081	शुक्र	24/08/2091	सूर्य	12/08/2108	चंद्र	23/02/2115
केतु	17/09/2067	शुक्र	20/11/2082	सूर्य	23/08/2092	चंद्र	10/02/2109	मंगल	24/09/2115
शुक्र	18/07/2070	सूर्य	28/03/2083	चंद्र	24/04/2094	मंगल	18/06/2109	राहु	25/03/2117
सूर्य	24/05/2071	चंद्र	27/10/2083	मंगल	24/06/2095	राहु	13/05/2110	गुरु	25/07/2118
चंद्र	23/10/2072	मंगल	24/03/2084	राहु	24/06/2098	गुरु	01/03/2111	शनि	23/02/2120
मंगल	20/10/2073	राहु	11/04/2085	गुरु	23/02/2101	शनि	11/02/2112	बुध	02/09/2120
राहु	08/05/2076	गुरु	18/03/2086	शनि	24/04/2104	बुध	18/12/2112		00/00/0000
गुरु	14/08/2078	शनि	27/04/2087	बुध	23/02/2107	केतु	24/04/2113		00/00/0000
शनि	23/04/2081	बुध	23/04/2088	केतु	24/04/2108	शुक्र	25/04/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 8 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।